POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A-I (Hons), Paper-I

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur,
Samastipur

सत्ता के स्रोत

मैक्सवेबर ने औचित्यपूर्णता के आधार पर सत्ता के निम्नलिखित स्रोत अथवा प्रकार बताए हैं -

① परम्परागत :-

जब आदेशों को इस आधार पर स्वीकार करते हैं कि ऐसा सदैव से होता आया है तो इसे सत्ता का परंपरागत स्रोत कहा जाता है। लोग इस प्रकार की सत्ता के आज्ञा का पालन परम्पराओं के प्रतीक विशेष व्यक्ति के कारण करते हैं जैसे :- राजतंत्र में राजा।

② बौद्धिक कानूनी या वैधानिक :-

जब लोग किसी नियम को औचित्यपूर्ण समझते हैं और उसका पालन करते हैं तो इसे बौद्धिक कानूनी सत्ता माना जाता है। यह सत्ता संवैधानिक नियमों के तहत धारण किए गए पद से प्राप्त होती है। सत्ता का यह रूप आधुनिक नौकरशाही को प्रकट करता है।

③ करिश्मावादी सत्ता

जब लोगविशेष सत्ताधारी के आदेश को इस आधार पर मानते हैं कि सत्ताधारी का व्यक्तित्व प्रभाव उन्हें प्रभावित करता है तो इसे करिश्मात्मक सत्ता कहते हैं।

Scanned with CamScanner